कॉर्ड–11014/7/2019-समन्वय
भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
(समन्वय प्रभाग)
****

तृतीय तल, कौशल भवन,
न्यू मोती बाग, नई दिल्ली–110023
दिनांक: 26 जून,2024

कार्यालय ज्ञापन

विषय: एसडीई मंत्रालय से संबंधित मंत्रीमंडल के लिए मासिक सार- के संबंध में।

मुझे मई, 2024 के महत्वपूर्ण कार्यकलापों का मासिक सार सूचनार्थ अग्रेषित करने का निर्देश हुआ है।

संलग्नक: **यथोक्त**

(अखिलेश कुमार रॉय)
भारत सरकार के अवर सचिव

प्रति:

भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग

प्रतिलिपि सूचनार्थ:
मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली–110001

मई, 2024 माह के दौरान इस मंत्रालय की कुछ प्रमुख उपलब्धियां/पहलें इस प्रकार हैं:

1. कौशल विकास और आजीवन शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए कार्यनीतिक भागीदारी-कौशल मिशन को आगे बढ़ाते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने 28 मई, 2024 को भारत और विश्व स्तर पर कौशल विकास और आजीवन शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए एक कार्यनीतिक भागीदारी की घोषणा की। इस सहयोग का उद्देश्य दुनिया भर के व्यक्तियों को आवश्यक दक्षताओं और अर्हताओं से लैस करके उन्हें सशक्त बनाना है, जिससे नियोजनीयता और सतत आर्थिक विकास में वृद्धि होगी। यह भागीदारी प्रभावी नीतियों, शासन और वित्त-पोषण संरचनाओं को विकसित करने के लिए समर्पित है जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कौशल विकास को बढ़ावा देगी। भागीदारी का एक प्रमुख पहलू स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) का कार्यान्वयन है। यह डिजिटल परिवर्तन कौशल विकास पहलों को मुख्यधारा में लाएगा, उनकी दक्षता, पहुंच और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाएगा।

2. प्रधानमंत्री वन धन योजना (पीएमवीडीवाई) और प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन (पीएमजेवीएम) - आईआईई इनक्यूबेशन सेंटर में 20 से 25 मई 2024 तक एमएफपी मूल्य परिवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 04 जिलों- चराइदेव, चिरांग, धुबरी और माजुली जिलों के 11 वीडीवीकेसी के 22 लाभार्थियों ने भाग लिया और प्रशिक्षण प्राप्त किया। मई, 2024 में चरण 3 (174 वीडीवीकेसी) और चरण 4 (169 वीडीवीकेसी) के 20 वीडीवीकेसी में एडवोकेसी प्रोग्राम आयोजित किए जा रहे हैं। ये कार्यक्रम 05 जिलों अर्थात चराईदेव, माजुली, धेमाजी, तामुलपुर और उदलगुरी जिलों में आयोजित किए जाते हैं। ट्रिसम ने मई, 2024 में गुवाहाटी में दो नए खुदरा विक्रेताओं/विभागीय स्टोरों अर्थात डी एंड डी सुपरमार्ट, गणेशगुरी और पांडु कोऑपरेटिव के साथ गठजोड़ किया है। ट्रिसम के उत्पाद अब इन दोनों दुकानों में उपलब्ध हैं।

3. राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड) की प्रमुख उपलब्धियां/पहल -

• इस संस्थान ने स्ट्राइव परियोजना के तहत 24613 उम्मीदवारों को उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम प्रदान किया है।

• इस संस्थान ने विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित आईटीईसी छात्रवृत्ति के अंतर्गत प्रशासनिक दक्षता और व्यावसायिकता बढ़ाने के लिए भूटान के 50 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है।

• इस संस्थान ने स्ट्राइव परियोजना के अंतर्गत 26,152 उम्मीदवारों को उद्यमशीलता जागरूकता कार्यक्रम प्रदान किया है।

• इस संस्थान ने भारतीय संस्थान बैंक संघ द्वारा प्रायोजित 484 बिजनेस कोरेस्पोंडेंट्स को वर्चुअल प्रशिक्षण प्रदान किया है।

• इस संस्थान ने क्षमता-निर्माण कार्यक्रम पर 29 उचित मूल्य की दुकानों को प्रशिक्षित किया है।

• इस संस्थान ने कानपुर में तीन स्थानों पर 93 प्रतिभागियों के लिए पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) द्वारा तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

4. भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई), गुवाहाटी द्वारा की गई पहल और निर्णय-

• गैर-कृषि आजीविका संवर्धन पर **तीन दिवसीय विषयगत प्रशिक्षण** 29 मई 2024 से 31 मई 2024 तक आईआईई परिसर, लालमाटी, गुवाहाटी में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के प्रतिभागियों में मेघालय राज्य ग्रामीण आजीविका सोसाइटी (एमएसआरएलएस) के परियोजना अधिकारी और क्लस्टर समन्वयक शामिल थे। यह सत्र विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले आंतरिक और बाहय दोनों प्रख्यात संसाधन व्यक्तियों द्वारा संचालित किए गए थे।

• **मेघालय में, सीआरपी-ईपी प्रशिक्षण-सह-प्रमाणन कार्यक्रम** दोनों एसवीईपी ब्लॉकों अर्थात (रोंग्राम सी एंड आरडी और मावकिरवाट सी एंड आरडी एसवीईपी ब्लॉक) में 13 मई 2024 से शुरू हुआ। दोनों ब्लॉकों में प्रतिभागियों की कुल संख्या 55 है और प्रशिक्षण कार्यक्रम में कक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय कार्यकलाप भी शामिल थें।

• **त्रिपुरा में, सीआरपी-ईपी प्रशिक्षण-सह-प्रमाणन कार्यक्रम** तीन सूक्ष्म उद्यम विकास (एमईडी) ब्लॉकों अर्थात किला, टेपेनिया और अमरपुर में 20 मई से 24 मई 2024 तक शुरू हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन राष्ट्रीय आरयूडीएसईटीआई (एनएआर) अकादमी द्वारा सीआरपी-ईपी का मूल्यांकन और आकलन किया गया।

5. जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) द्वारा किए जाने वाले कार्यकलाप - जेएसएस, संकेंद्रण के भाग के रूप में, पीएम विश्वकर्मा (पीएमवी) नामक सरकार की प्रमुख स्कीम को कार्यान्वित कर रहे हैं। इस स्कीम के विभिन्न ट्रेडों के अंतर्गत देश भर में 80 जेएसएस में पीएमवी के अंतर्गत प्रशिक्षण शुरू किया गया है। 10 जेएसएस के प्रबंधन बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। जेएसएस को एसआईडीएच पोर्टल पर सफलतापूर्वक शामिल किया गया है। वित्त-वर्ष 2024-25 में एसआईडीएच पोर्टल पर प्रशिक्षण के संबंध में सभी जेएसएस के साथ 13 मई, 2024 को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। एसआईडीएच पोर्टल पर जेएसएस स्कीम को शामिल करने के संबंध में 27 मई 2024 को वीसी मोड के माध्यम से सभी जेएसएस के साथ एमएसडीई और एसआईडीएच टीम की एक संयुक्त सलाहकार बैठक आयोजित की गई। सभी जेएसएस को 27

मई 2024 को ई-मेल के माध्यम से भारत-नेट उद्‌यमी स्कीम के बारे में जागरूक किया गया है। सभी जेएसएस का विवरण भी बीएसएनएल टीम के साथ साझा किया गया है।

6. राष्ट्रीय नीति की समीक्षा - कौशल विकास एवं उद्‌यमशीलता मंत्रालय ने राष्ट्रीय कौशल विकास एवं उद्‌यमशीलता नीति, 2015 की समीक्षा करने तथा इसके लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक नई नीति और कार्य योजना का प्रारूप तैयार करने का कार्य शुरू किया है। इस उद्‌देश्य के लिए, मंत्रालय ने प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। बीसीजी द्‌वारा परियोजना को पूरा करने की समय-सीमा पाँच (05) माह है। मंत्रालय की अपेक्षाओं के अनुरूप नीति समीक्षा कार्य को आगे बढ़ाने और नियमित आधार पर प्रगति का अनुवीक्षण करने के लिए, सचिव (एमएसडीई) की अध्यक्षता में एक परियोजना संचालन समिति का गठन किया गया है और इसकी पहली बैठक 21 मई 2024 को हुई।

7. महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर- कौशल विकास एवं उद्‌यमशीलता मंत्रालय ने ड्रोन दीदी योजना के तहत दो प्रायोगिक परियोजनाओं के संचालन के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस भागीदारी के तहत, एमएसडीई और एम एंड एम हैदराबाद और नोएडा में स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) में दो प्रायोगिक परियोजनाओं का संचालन करेंगे, जिसमें 20-20 महिलाओं के विशेष बैचों में 500 महिलाओं को कौशल प्रदान किया जाएगा।

8. बैठकें, प्रशिक्षण और कार्यशालाएं-

(क) प्रशिक्षुता प्रशिक्षण की स्थिति: वर्तमान वित्त-वर्ष 2024-25 के दौरान नियोजित शिक्षुओं की संख्या 31 मई 2024 तक 1,08,054 है। 31 मई 2024 तक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षुओं की कुल संख्या 7.6 लाख है। 31 मई 2024 तक शिक्षुओं को नियोजित करने वाले प्रतिष्ठानों की कुल संख्या 46,236 है।

(ख) डीबीटी की स्थिति: राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) के तहत दिनांक 11.08.2023 को डीबीटी शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्‌घाटन माननीय कौशल विकास और उद्‌यमशीलता मंत्री ने किया। डीबीटी के माध्यम से भाग लेने वाले शिक्षुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और जुलाई 2023 (1,64,652) से मई 2024 (178704) तक इसमें वृद्‌धि होने की आशा है। इस अवधि के दौरान, डीबीटी के माध्यम से शिक्षुओं को 343 करोड़ रुपए की वृत्तिका राशि का भारत सरकार का हिस्सा वितरित किया गया है।

(ग) सीएससी (ग्राम स्तरीय उद्‌यमियों का शामिल होना): सीएससी में शिक्षुता जुड़ाव का सहयोग करने के लिए, सीएससी से लगभग 33,250 वीएलई का विवरण शिक्षुता पोर्टल पर अपलोड किया गया है। ये वीएलई भारत भर के 29 राज्यों से हैं। इस स्कीम के दिशा-निर्देशों, स्कीम के लाभों

और पोर्टल डेमो आदि पर सीएससी टीम के साथ कुल पाँच नियमित क्षेत्र-वार तकनीकी-सत्र आयोजित किए गए। अब तक की प्रगति का आकलन करने के लिए 30 मई 2024 को संयुक्त सचिव (एटी) की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

(घ) भारत कौशल प्रतियोगिता का आयोजन: भारत कौशल प्रतियोगिता 2024 का आयोजन 15 से 19 मई 2024 तक यशोभूमि, द्वारका, नई दिल्ली में किया गया, जिसमें 900 उम्मीदवारों ने 61 कौशल क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा की। भारत कौशल प्रतियोगिता के 60 विजेता फ्रांस के ल्योन में होने वाली विश्व कौशल प्रतियोगिता 2024 में भाग लेंगे।

(ङ) पीएमकेवीवाई प्रभाग द्वारा की गई बैठकें और प्रशिक्षण: प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0) के लिए कार्यकारी समिति (ईसी) की 11वीं बैठक 13 मई, 2024 को कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में पीएमकेवीवाई 4.0 की विशेष परियोजना श्रेणी के अंतर्गत प्रस्तावों पर विचार करने के लिए आयोजित की गई थी। 01 मई, 2024 से 31 मई, 2024 तक पीएमकेवीवाई स्कीम के तहत प्रशिक्षित/उन्मुख उम्मीदवारों की कुल संख्या 1,64,061 है।

9. परिचालन दक्षता: उपर्युक्त पहलों के अतिरिक्त, सभी कार्यों के शीघ्र निपटान में अत्यधिक तत्परता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए अनेक आंतरिक उपायों के माध्यम से कार्य निष्पादन को युक्तिसंगत बनाने की चल रही प्रक्रिया जारी रही।

S

*****